14th VARCHASVA

Media Academic Fest 2019

सासदं मनोज तिवारी 14वें वर्चस्व में छात्रो को सबोंधित करते हुए

12 प्रकार के ईवेंट हुए और उसमें दिल्ली एन.सी.आर के 50 से अधिक कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण फैशन परेड, ग्रुप डांस, सोलो डांस, सोलो सिंगिंग, एड–मैड, लाइव रिपोर्टिंग, मोनो एक्टिंग, नुक्कड़ नाटक, राईट ओ राईट,मिस्टर एंड मिस वर्चस्व आदि रहे। इस बार वर्चस्व 2019 का अपना अलग ही अंदाज था जहां टेक्निया के अदनान अहमद ने जलवा बिखेरते हुए अपनी मदमस्त आवाज और सुरीले गीतों से उपस्थित युवाओं को झुमने पर मजबूर कर दिया। वहीं भारी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम के उत्साह को दोगुना कर दिया। "वर्चस्व 2019 " दिल्ली हाट में 23 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से दर्शकों के आने का जो सिलसिला शुरु हुआ वो देर शाम तक चलता रहा। इस मौके पर संस्थान के सभी शिक्षक और छात्र– छात्राएं मौजूद रहे है

डॉ. शम्भू शरण गुप्ता

12th Endeavour 2019

सासदं मनोज तिवारी 14वें वर्चस्व में छात्रो को सबोंधित करते हुए

सासदं मनोज तिवारी 14वें वर्चस्व में छात्रो को सबोंधित करते हुए

सासदं मनोज तिवारी 14वें वर्चस्व में छात्रो को सबोंधित करते हुए

Tecnia students Celebrated Diwali Fete with happiness

Students of Tecnia Group of Institutions organized one day Diwali Fete on 19 October, 2019 at Tecnia International School, Rohini. Lights, sweets, new clothes, cultural presentations and rangoli colors filled everyone's heart with happiness. Dr. Ram Kailash Gupta (Chairman, Tecnia Group of Institutions) ignited the lamp an d started the fete.

The fete was decorated with a variety of stalls by the students of Tecnia Institute of Advanced Studies, Ashtavakra Institute, Tecnia Institute of Arts and Design and Tecnia Institute of Teachers Education, which included colorful costumes, Sweets, delicious dishes, Jewelry, firecrackers, children Toys and big swings, colorful Diyas, lights and Candles. The crowd at the stall was telling that everyone is ready to shop this Diwali. Dr. Ajay Kumar, (Director, Tecnia Institute of Advanced Studies) said that the students performed their art brilliantly at the Diwali fete. He told that he is proud of all the students of the Tecnia Group of Institutions. On this occasion, all teachers and staff were present.

Bal krishna Mishra

Ethical Hacking

Quiz Competition

THIS MONTH

October 5, 1964 - The largest mass escape since the construction of the Berlin Wall occurred as 57 East German refugees escaped to West Berlin after tunneling beneath the wall.

*****

October 5, 1986 - Former U.S. Marine Eugene Hasenfus was captured by Nicaraguan Sandinistas after a plane carrying arms for the Nicaraguan rebels (Contras) was shot down over Nicaragua. This marked the beginning of the "Iran-Contra" controversy resulting in Congressional hearings and a major scandal for the Reagan White House after it was revealed that money from the sale of arms to Iran was used to fund covert operations in Nicaragua

*****

October 6, 1927 - The first "talkie" opened in New York. *The Jazz Singer* starring Al Jolson was the first full-length feature film using spoken dialogue.

*****

October 6, 1928 - Generalissimo Chiang Kai-shek became president of the Republic of China upon the introduction of a new constitution.

*****

October 6, 1949 - "Tokyo Rose" (Iva Toguri d'Aquino) was sentenced in San Francisco to 10 years imprisonment and fined $10,000 for treason. She had broadcast music and Japanese propaganda to American troops in the Pacific during World War II. She was pardoned by President Gerald Ford in 1977.

Compilation:
Honey Shah

BASICS OF MEDIA

Program Speaker: A loudspeaker in the control room that carries the program sound. Its volume can be controlled without affecting the actual line-out program feed. Also called audio monitor.

*****

Studio Talkback: A public address loudspeaker system from the control room to the studio. Also called S.A. (studio address) or P.A. (public address) system.

*****

System: The interrelationship of various elements and processes whereby the proper functioning of each element is dependent on all others.

*****

House Number: The in-house system of identification for each piece of recorded program material. Called the house number because the code numbers differ from station to station (house to house).

*****

Tapeless System: Refers to the recording, storage, and playback of audio and video information via computer storage devices rather than videotape.

*****

To Be Continued In Next Issue-

Compilation:
Rahul Mittal

संपादक की कलम से

बढ़ रही है स्मार्टनेस

यह तो बहुत खुशी की बात है कि न्यू इंडिया में रहने वाले नयों के साथ पुराने लोगों की जिंदगी में स्मार्टनेस बढती जा रही है। स्मार्ट शहरों के चप्पेचप्पे में रोप दी गई स्मार्टनेस ने गांवों की गलियों में भी चुस्ती उगा दी है। 'हर चीज की अधिकता बुरी होती है' जैसी कही गई बातें अब पुरानी लगती हैं। लेकिन इसे अच्छी बात मान कर, अगर मान लिया जाए तो यह सच लगता है कि आधुनिक जीवन के लिए बेहद जरूरी चीज स्मार्टनेस, अब कुछ ज्यादा ही बढ़ चुकी है। क्या स्मार्टनेस अब यूटर्न लेकर अपने घर लौटना चाहती है। उधर सामने से आ रही ताजा खुशबू वाली नकली बुद्धि इंसानी दिमाग पर पूरी तरह कब्जा करने के चक्कर में बेकरार हुई जा रही है और इधर परम आदरणीय विकासजी की प्रेरणा से हम फिर से मिटटी के बर्तनों में भोजन पकाना और खाना अपनाने लगे हैं। देश में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के डिजाइन वाले कपड़े बनाए जा रहे हैं और माल में लोग ऐसे स्मार्ट कपड़े पहन कर विचरते देखे गए हैं मानो अपने बैड रूम से उठकर आ गए हों। वैसे भी मॉल अब बाग की तरह हो गया है जहां आकर स्वास्थ्य सुधर जाता है और दिल बाग बाग हो जाता है। आनलाइन स्वाद मंगाकर, खाकर इतने स्मार्ट हो गए हैं कि सोशल मिडिया पर सुबह से रात तक बतियाते हैं लेकिन पास से गुजर रहे हों तो वक्त की जबर्दस्त कमी के कारण बिना बात किए स्मार्टली खिसक रहे हैं। अतिस्मार्टनेस राष्ट्रीय हित योजना के अंतर्गत कोई भी किसी से पिट सकता है और हिम्मत हो तो पीट भी सकता है। धार्मिक चुस्ती स्कीम के अनुसार एक सभ्य इंसान दूसरे इंसान को जानवर से बदतर समझ सकने का मौलिक अधिकार रखने लगा है। ओवर स्मार्टनेस सुविधा के अंतर्गत तनरंजन और मनोरंजन बढ़ता जा रहा है और सामाजिक समस्याएं स्मार्टली गायब होती जा रही हैं। शरीर के चौबीस घंटे जागने वाले हिस्से, स्मार्टफोन ने हर उम्र पर अपना सिक्का जमा लिया है। एक तरफ इसका प्रयोग बढ़ रहा है और दूसरी तरफ देश के न्याय स्तम्भ फीचर फोन की दुनिया में लौटना चाहते है। क्या यह एंटी स्मार्टनेस कार्यशैली है। बढती उम्र के साथ पुरानी चीजों के प्रति आकर्षण बढ़ता ही जाता है। कहीं हम में से कुछ लोगों को वहम तो नहीं हो रहा कि हमारी भगदड़युक्त जीवन शैली को पीछे लौटने की जरूरत है। सोशल मिडिया अति ओवर स्मार्ट हो चुका है, उसे समझाया जा चुका है किसका नुकसान करने से किसका फायदा होगा। जिन्दगी फर्जी खबर की मानिंद होती जा रही है लेकिन उसे झूठ साबित करने का हुनर सबके पास नहीं है। राजनीतिक स्मार्टनेस के कारण हर सफलता के मंगल की फिक्र हो रही है लेकिन स्वास्थ्य के चन्द्रमा पर पड़े खड्डे बेहतर डिजिटल तकनीक के कारण दिखते नहीं। यह शब्दों की स्मार्टनेस ही तो है कि बहुत लोग दिल से खुश नहीं हैं लेकिन शरीर से सब सहमत हैं। सुना है अब मानवीय संबंध पूरी तरह से व्यवसायिक हो चुके हैं और वहां व्यवसायियों को समझाया जा रहा है कि भावना भी कोई चीज होती है। मित्रों सावधान! जमाना बदल चुका है, अब कम स्मार्ट लोगों के लिए नई बस्ती में जगह कम होती जा रही है।

Vigilance Awareness Week-NSS

Workshop on Analyzing The Video Output

Case Study

Endeavour

Techno Vision

परंपरा और आधुनिकता का बोध कराती है कला

कला मानव जीवन का प्राण है। कला और कलाकार किसी मुल्क की तहजीबी जिंदगी के आधार होते है, जो वहां के लोगों की सांस्कृतिक भावनाओं की जीती–जागती तस्वीर पेश करते हैं। कला मानव को प्रांजल, सुन्दर तथा व्यवस्थित करती है। एक कलाकार की मौलिक रचना लम्बे अरसे तक कायम रहती है। कला हमारी धर्म, जमीर व संस्कृति से जुड़ी हुई है, क्योंकि इसका डी. एन. ए. हर एक भारतीय के खून में भरा हुआ है। कला भूत तथा भविष्य को जोड़ने के लिए महत्त्वपूर्ण कड़ी का काम करती है। कला के काम सारे देशों में किए जाते हैं और वे बिना मान्यता प्राप्त दूतों के रूप में दुनिया के राष्ट्रों के बीच दोस्ती के संबंधों को मजबूत बनाते हैं। एक कलाकार हकीकत को नजर–अंदाज किए बिना जीवन को पूर्णरूप से पेश करता है। कला का भी अपना एक विशिष्ट स्थान है जो जन साधारण से जुडी होती है। जनसाधारण, रीति–रिवाज, लोक संस्कृति और लोक परंपरा से जुड़ी इन कलाओं में वर्तमान के साथ इतिहास का सामाजिक जीवन दर्शन स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। वर्तमान में नए कलाकार इन कलाओं में परंपरागत पुट के साथ–साथ में आधुनिकता का भी रंग भरने का बोध करा रहें हैं। अप्रवासी भारतीय चित्रकार सैयद हैदर रजा ने कुछ साल पहले जब पेरिस से एक यात्रा पर भारत आए तो उन्होंने एक से अधिक अवसरों पर रेखांकित किया था कि अगर आज कला के क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण काम करने वालें पांच देशो की कोई सूची बनाई जाए तो निश्चय ही उसमें भारत का नाम भी शामिल किया जाएगा। भारतीय कलाकार हिम्मत शाह के लाइफ टाइम कलेक्शन स्कल्पचर को लेमन ब्रदर्स ने 10 करोड़ रूपये में खरीदा है और इनकी एक छोटी सी स्कल्पचर की कीमत 10 लाख से 40 लाख रूपये के बीच होती है। जिस भारतीय कलाकृतियों की इतनी ऊंची कीमतें हो तो फिर इस कला क्षेत्र की कुछ प्रसिद्ध हस्तियां भी होंगी। राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता सुखराज प्रजापति मिट्टी की कला के सिद्धस्त हुनर कलाकार के रूप में जाने जाते हैं। इनकी इस मिट्टी की कला परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए लगभग एक पूरा कुनबा पिछले पचास वर्षों से अधिक समय से लगा हुआ है। वर्तमान में यह कला अपने कलाकारों के साथ समंदर पार इंग्लैंड, जर्मनी और हालैण्ड सहित लगभग दस देशों की यात्राएं कर चुका है। इन कलाकारों ने मिट्टी से तैयार कर मूर्त्तियां न सिर्फ भारतीय संस्कृति को विदेशों तक ले जाने का काम किए बल्कि साथ ही साथ विदेशी मुद्रा भी भंडार में भी अपना सहयोग कर रहे हैं। इस कला के धनी कलाकारों को राष्ट्रीय पुरस्कार, राज्य

पुरस्कार और राज्य मेरिट पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कार सरकार द्वारा दिए जा चुके हैं। अगर इतिहास की बात करें तो इसका इतिहास मिस्र की प्राचीन सभ्यता के काल में मिलता है क्योंकि मिस्र के पिरामिडों में ये वस्तुएं मिली है। भारत के सन्दर्भ में मृणमयी मूर्तिकला का इतिहास मोहनजोदड़ों, हड़प्पा और कपिलवस्तु की खुदाई में से विभिन्न दैनिक उपयोग की एवं सजावटी वस्तुएं मिली है। जिससे यह साबित होता है की इस मिट्टी की कला (टेराकोटा) की वस्तुएं भारतीय इतिहास एवं संस्कृति का एक अंग रहीं हैं। हालांकि इस कला का विषय कुल्ली और झोब के कृषक सांस्कृतिक स्थलों से आया माना जाता है जो दोनों स्थल बलूचिस्तान में है। इस प्रकार टेरकोटा की परंपरा सिन्धु सभ्यता से लेकर हड़प्पा सभ्यता, वैदिक काल, जो सिन्धु युग के बाद माना जाता है, फिर बौद्ध काल, प्राक–मौर्य युग, मौर्य युग, मौर्योत्तर युग, कुषाण युग, गुप्त काल, तथा पाल युग होते हुए समृद्ध हुआ है। हर दिन की नयी सोच और नई जीवन शैली की तुलना में कला को भी बिजनेस सेगमेंट के रूप में नए आइडियाज और इन्नोवेशन के साथ बदलावों की गति को तेज करना होगा। तकनीक का इस्तेमाल तेज करना होगा, परंपरागत मीडिया का सहयोग लेते हुए इसे आत्मसात करने पर बल देना होगा और आप्रवासी भारतीयों और सोशल मीडिया का सहयोग इसे वैश्विक स्वरूप भी प्रदान कर सकता है। इसके लिए भारत सरकार अनेक कला आधारित अनेक कार्यक्रम आयोजित करती रहती है।

डॉ. शम्भू शरण गुप्ता
फैकल्टी–बी.ए.(जेएमसी)

IMPORTANT QUOTES

"I do not consider it an insult, but rather a compliment to be called an agnostic. I do not pretend to know where many ignorant men are sure -- that is all that agnosticism means."

- Clarence Darrow

*****

"Obstacles are those frightful things you see when you take your eyes off your goal."

- Henry Ford

*****

"I'll sleep when I'm dead."

- Warren Zevon

*****

"There are people in the world so hungry, that God cannot appear to them except in the form of bread."

- Mahatma Gandhi

*****

Compilation: Priya Kumari

WINNERS v/s LOOSERS Part-90

Winner says "Let me do it for you";

Loser says "That is not my job".

*****

Winners say "I must do something";

Losers say "Something must be done".

*****

Winner is always a part of the answer;

Loser is always a part of the problem.

*****

Winner sees an answer for every problem;

Loser sees a problem for every answer.

*****

To Be Continued In Next Issue-

Compilation: Rahul Mittal

All Students and Faculty are welcome to give any Article, Feature & Write-up along with their Views & Feedback at: **youngstertias@gmail.com**

Vol. 15 **No.** 10
RNI No.: DEL/BIL/2004/14598
Publisher: Ram Kailsah Gupta on behalf of Tecnia Institute of Advanced Studies, 3 PSP, Madhuban Chowk, Rohini, Delhi-85; **Printer:** Ramesh Chander Dogra; **Printed at:** Dogra Printing Press, 17/69, Jhan Singh Nagar, Anand Parbat, New Delhi-5
Editor: Rahul Mittal, Bal Krishna Mishra responsible for selection of News under PRB Act. All rights reserved.